मोहयाल मित्र

श्री सौराष्ट्र गुजरात द्वारिका, सोमनाथ भालका तीर्थ नागेश्वर व भेट द्वारिका की यात्रा

मोहयाल सभा होशयारपुर के प्रधान श्री श्यामसुन्दर दत्ता, उनकी पत्नी चन्द्रकान्ता दत्ता, व मेरी दो बड़ी बहनें दत्ता परिवार की बेटियाँ सात परिवारिक सदस्यों का एक जत्था सौराष्ट्र के दो ज्योति लिंग श्री सोमनाथ व नागेश्वर तथा पवित्र धाम द्वारिक व भेट द्वारिका की यात्रा के लिए दिनांक 3.10.2014 को होशियारपुर से जलन्धर के लिए प्रातः 4:50 बजे की रेल गाड़ी से रवाना हुए वहाँ से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पहुँचे वहाँ से हमने शाम 7:55 बजे पर अहमदाबाद एक्सप्रेस से अहमदाबाद की यात्रा आरम्भ की, सुबह 10.00 बजे अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पर पहुँचे। वहाँ पर पहले से

किए गए पैकेज के अनुसार अनोबा का ड्राईवर जिगनेश हमारा इंतजार कर रहा था। हम गाड़ी द्वारा मनीला होटल पहुँचे वहाँ सुबह के ब्रेकफास्ट के बाद हम अक्षरधाम देखने गए, रास्ते में हमने नारियल पानी पीया व वैष्णो देवी मन्दिर देखा, रास्ते में हमने साबरमति के घाट पर संत श्री आशाराम जी का आश्रम देखा, इसके बाद हम महात्मा गाँधी जी का साबरमति आश्रम देखने गए। हमें पता चला कि उस आश्रम की सिक्योरिटी इंचार्ज सरदार जरनैल सिंह होशियारपुर का रहने वाला है। उसका गाँव दसहा के पास घोगरा था। वह हमें मिल कर बहुत प्रसन्न हुआ। हमें पूरा आश्रम दिखाया व हमारे लिए चाय पानी का प्रबन्ध किया। उन्होंने बताया कि मेरी 32 वर्ष की सर्विस के दौरान पहली बार मेरे गाँव से कोई आया है। उसके बाद सावरमति नदी के तट पर बना पिकनिक स्पोर्ट पर रात की जगमगाती रोशनी में कुछ समय बिताया।

रात को मनीला होटल के विश्राम के बाद हम प्रातः 6 बजे दिनांक 5.10.2014 को सोमनाथ ज्योतिलिंग के दर्शनों के लिए चल पड़े। रास्ते में जाते हुए हमने चोटीला (चामुंडा माताजी) के दर्शन किए, यह पहाड़ी पर बना बहुत ही सुन्दर मन्दिर है। इसके बाद हम जूनागढ़ गिरनार गए। श्री गिरनार जी सिद्ध क्षेत्र पश्चिम भारत के गुजरात राज्य के सौराष्ट्र प्रांत में जूनागढ़ शहर में सबसे बड़ा एवम् सिद्ध क्षेत्र महान है। इसे शिव स्वरूप माना जाता है। गिरनार सिद्ध क्षेत्र को संत, महात्मा, योगियों व 84 सिद्धों का प्रदेश माना जाता है। जहाँ पर पर्वत पर कई जैन मन्दिर व दत्त मन्दिर व दत्त शिखर पर चरण दर्शन देखने योग्य है। गुरू दत्तात्रेह को बाबा बालक नाथ जी का गुरू माना जाता है, उन्होंने भी वहाँ ही तपस्या की तथा वहीं पर उनका जन्म स्थान हैं। रास्ते में विल्ड लाईफ सेंचुरी देख हम सोमनाथ दर्शन के लिए रात 7 बजे पर होटल रूद्राक्ष पहुँचे, ज्योतिलिंग सोमनाथ की महिमा अनोखी है। पुराण कथा मुताबिक इसकी स्थापना स्वयं चंद्रदेव ने की, इस तरह अनिर्णित काल होने से बारह ज्योतिलिंगों में से इसे प्रथम आद्य ज्योतिलिंग माना जाता है। हम सब रात की आरती में शामिल हुए तथा सुबह फिर से आरती समुन्द्र किनारे बने इस मन्दिर के प्राचीन अवशेषों को देखकर कृतार्थ हुए। इसके बाद कुछ दूरी पर प्रभास तीर्थ है, स्कंद पुराण के अनुसार दक्ष के शाप मुक्ति के प्रयास के लिए चंद्रमा ने यहाँ शिव की तपस्या की थी। महाभारत में प्रभास को एक बड़ा आदरणीय पवित्र तीर्थ बताया गया है। जब गंगाजी सब तीर्थों के जल प्रवाह के साथ सरस्वती के पास प्रकट हो गई, जब गंगाजी की सहायता के साथ वापस लौटती सरस्वती ने देवों के शत्रु वडवानल अग्नि को पश्चिम महासागर में मिला दिया, देवों के संकट दूर करने के कारण इस तीर्थ का नाम प्रभास पड़ा। अब भी लोग यहाँ पिण्ड दान करते हैं।

आगे हम भालका तीर्थ देखने गए यहाँ पर भगवान श्रीकृष्णा के पाद पद्म में जरा शिकारी ने बाण (भलवान) मारा था, यह पवित्र स्थल भालका तीर्थ कहलाता है। यहाँ से हम होटल गोपाल पहुँचे, वहाँ कुछ समय विश्राम के बाद हम द्वारिका धाम की रात की आरती व द्वारिका धीश के दर्शनों के लिए गए, प्रभास के समीप मूल द्वारिका है। वर्तमान प्रभास से करीबन 35 कि.मी. पूर्व में मूल द्वारिका स्थित मानी जाती है। विद्वानों के मतानुसार यादवों की आपसी संग्राम की यादवास्थली यहाँ पर थी। जहाँ उष्ण जल कुण्ड वाला तुलसी श्याम और समुद्र एवं भादर सरिता के पास माधवपुर है, इसी क्षेत्र के अंतर्गत मूल द्वारिका थी। इसे अब भेट द्वारिका कहा जाता है,

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

क्योंकि सुदामा जी पोरबन्दर जो गाँधी जी की जन्म भूमि है। भगवान के लिए चावलों की भेंट लेकर गए थे, इसलिए इसका नाम (भेंट) द्वारिका पड़ा। भेट द्वारिका समुद्र में स्थित है। द्वारिका का अर्थ है, जब ग्वालों ने चारों ओर समुद्र देखकर भगवान से पूछा कि इस का द्वार कहां है तो कलांतर में इसका नाम द्वारिका पड़ गया। श्रीकृष्ण के शरीर त्याग करते ही द्वारिका समुद्र में विलीन हो गई और रह गए मात्र स्मृति रूप स्थान जो मूल द्वारिका ग्राम कहलाता है। अब तीर्थ स्थल है, जहाँ पर मकरध्वज व हनुमान जी का भी मन्दिर है, कहा जाता है कि पाताल में राम–लक्ष्मण जी को अहिरावण की कैद से मुक्त करवाने के लिए हनुमान जी का युद्ध अपने पुत्र मकरध्वज से यहीं हुआ था। हनुमान जी की पसीने की बूँद से मकरी के पेट से पैदा होने के कारण इसका नाम मकरध्वज पड़ा।

रास्ते में वहाँ से आते समय नागेश्वर ज्योतिलिंग के मन्दिर के दर्शन किए। बाद में रुकमणी मन्दिर के दर्शन कर पुनः समुद्र तट का आनंद लिया, द्वारिक में गोपाल होटल आकर रात को द्वारिका मन्दिर देखने गए, शरदपूर्णिमा की रात को वहाँ मन्दिर सुन्दर ढंग से सजा था, तथा रास के कार्यक्रम में कनकेश्वरी देवी ने भजन गायन किया, यह यात्रा हमारे जीवन का अनोखा अनुभव था।

*–**मनोज दत्ता,** होशियारपुर, पंजाब*

आदरणीय चिट्ठी

अत्र कुशलम् तत्रास्तु; यह तीन शब्दों का समूह एक पुरानी सखी सा जान पड़ता है, जिससे वर्षों पहले कॉलेज के साथ ही मेरा बिछोड़ा हो गया था। समय की पगडंडी पर आज जब पीछे मुड़कर देखती हूँ तो एहसास होता है कि वह एक शान्त मगर परिवर्तनकारी समय था, या युग भी कहा जाए तो अतिश्योक्ति ना होगी।

यह शुरूआत फोन की टनटनाती घंटी को पछाड़ते हुए समाज में प्रतिष्ठा का प्रतीक बनते मोबाइलों की थी। जिनसे बात करने के साथ–साथ बात सुनने वाले को भी अपनी जेब ढीली रखने का जिगरा रखना पड़ता था। भरसक कोशिशें भी की गईं। इस युग के विरोध की। "अमीरों के चोंचलें कहकर इसके रूप को व्यक्त किया गया, मगर युवा वर्ग सदा ही परिवर्तन का हिमायती रहा है और फिर सहूलियतों का तो मानव युगों–युगों से दीवाना रहा है, सो उन आवाज़ों को वक्त ने अनसुना कर दिया। हालचाल बूझने में एमएमएस ने अहम भूमिका निभाई जिसकी परिणिति चैटिंग में तब्दील हो गई और वक्त की इस दौड़ में एक छोटी या बड़ी चिट्ठी कहीं बहुत पीछे छूट चुकी थी। आज तो होली, दीवाली, ईद, क्रिसमस और खासकर नव वर्ष पर भेजे जाने वाले शुभकामना पत्र भी ई.कार्ड तक सिमट कर रह गए हैं।

देखा जाए तो आधुनिक तकनीक ज्यादा सुलभ एवं तीव्रगामी है मगर... मुझे लगता है कि पहले से कहीं ज्यादा स्वार्थी व कामचलाऊ भी हो चुकी है। पता है पहले तुममें (चिट्ठी में) सारे मोहल्ले या क्षेत्र (गाँव इत्यादि) का हालचाल होता था। बेटा तुम्हें रामचन्द्र की अम्मा बहुत याद करती है। हऊआ (एक लड़की का नाम) इस ईद पर मायके आई थी तो पूछ रही थी तुम्हें। राजू वाली चाची ने तुम्हारे लिए बालूशाही बनाई है। जैसे वाक्यों में सिर्फ माँ का ही नहीं अपनी मिट्टी का अपने लोगों का प्यार बसा होता था। आज भी जब मायके (रोजा–उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर जिले का एक नोटिफाइड एरिया) जाती हूँ और मुरादाबाद के बाद से ही जैसे–जैसे गाड़ी आगे बढ़ती है– थकान, नींद सब गायब हो जाती है लगता है सामान बेचने वाले वेंडर से लेकर टी.टी.ई. तक सभी मेरे अपने ही तो हैं, और फिर शाहजहाँपुर से रोजा का सफर खिड़की के बाहर घूरते हुए ही गुज़रता है। तब मेरे मन मस्तिष्क में बस यही तीन शब्दों का समूह "अत्र् कुशलम् तत्रास्तु" घूमने लगता है।

मेरे बचपन की किशोरावस्था की चिट्ठियों का यह शब्दों का समूह जिसमें मौसा जी मॉसी जी ही नहीं उनका पूरा परिवार एवम् मौहल्ले के लोगों की भी जगह थी। बुआ जी फूफा जी के परिवार के साथ बुआजी के ससुराल वाले भी शामिल हुआ करते थे। तब लगता है कि यह एसएमएस इतना छोटा क्यों होता है? तब लगता है कि कपड़ों के ढेर के नीचे रखे अखबार में छिपी चिट्ठी कहाँ खो गई है।

*–**सपना दत्ता,** बीजी 6, 28डी, पश्चिम विहार, नई दिल्ली*
मो. 9958756667

जन्मदिन

दिनाँक 5.11.2014 को **विष्णु दत्ता** पुत्र श्री संजीव दत्ता का 8वाँ जन्मदिवस मनाया गया, चूँकि इस वर्ष विष्णु के दादाजी उज्जैन दर्शन हेतु गए थे। अतः विष्णु ने स्वयं अपनी इच्छा से अपना जन्मदिवस अपने दादाजी के साथ ही मनाने की जिद रखी। इसी कारण अपने दादाजी श्री डी.वी. दत्ता जी एवं दादी श्रीमती प्रेम दत्ता जी के साथ 6.11.2014 को केक काटकर तथा कीर्तिनगर मॉल जाकर जन्म दिवस मनाया।

इस उपलक्ष्य में विष्णु की माँ सपना दत्ता संस्था के शिक्षा फंड में 151 रुपए दान भेंट कर रही है। यह संस्था यूँ ही दिन–दूनी रात चौगुनी फलती–फूलती रहे।*–सपना दत्ता, बीजी 6, 28डी, पश्चिम विहार, नई दिल्ली, मो. 9958756667 द्वारा–एस.पी. दत्ता, सचिव मो.सभा, आगरा।*

मोहन बिरादरी के जठेरों का मेला

दिनांक 24 जनवरी 2015 (शनिवार) बसंत पंचमी के दिन ग्राम–जपुवाल जिला–गुरदासपुर (पंजाब) में मोहन विरादरी के जठेरों का मेला हो रहा है। आप सभी सादर आमंत्रित हैं। आरती सुबह 10 बजे और दोपहर का भोजन 1.00 बजे होगा।

विशेष जानकारी के लिए श्री राकेश मोहन

मो.: 9417018346, 9041176287 से संपर्क करें।

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

प्रेमनगर-देहरादून

सभा की बैठक 26.10.2014 को श्री डी.एन. दत्ता, प्रधान की अध्यक्षता में निवास स्थान श्री डी.एन. दत्ता, किशननगर, देहरादून में 20 सदस्यों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना के पश्चात सभा की कार्यवाही प्रारम्भ की गई। श्री राजेश बाली (सचिव) ने गत माह की कार्यवाही पढ़ कर सुनाई तथा श्री जे.एस. दत्ता जी ने आय–व्यय का लेखा–जोखा प्रस्तुत किया, सभी ने अपनी सहमति जताई। श्री डी.एन. दत्ता जी के दामाद श्री स्कैडन लीडर विपिन ताकावाले को भारत के राष्ट्रपति द्वारा वायुसेना मेडल प्रदान करने तथा उनके सुपुत्र मेजर देवेन दत्ता को जम्मू–कश्मीर में आयी आपदा में उत्कृष्ट कार्य करने पर सभी ने बधाई दी। श्री डी.एन. दत्ता ने सभा को 501 रुपए भेंट किए।

श्री रमेश दत्ता जी ने बताया कि हमें जरूरतमंद सदस्यों को हर संभव सहायता करनी चाहिए। इस कार्य के लिए उन्होंने श्री डी.एन. दत्ता जी को नामांकित किया।

एफ.आर.आई. के निदेशक महोदय डॉ. पी.पी. भोज वैद ने एक विशेष मीटिंग दिनाँक 2.11.2014 को 11.00 बजे अपने निवास स्थान करने का अनुरोध किया। सभा के अन्त में श्रीमती एवं श्री डी. एन. दत्ता जी को जलपान के लिए धन्यवाद दिया गया।

राजेश बाली, *सचिव (मो. 9758135583)*

जगाधरी वर्कशाप

सभा की मासिक बैठक 2 नवम्बर 2014 को जंज घर मार्डन कालोनी आई.टी.आई. में सभा के प्रधान श्री सतपाल दत्ता जी की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें लगभग 20 सदस्यों ने भाग लिया। सभा में आए नये युवा सदस्यों का प्रधान श्री सतपाल दत्ता जी ने सभी से परिचय करवाया एवं सभा के सभी सदस्यों ने उनका स्वागत किया। सभा के सभी सदस्यों ने अपने अपने विचार रखे। इस अवसर पर युवा सदस्यों ने भी अपने विचार रखे तथा एक सदस्य डॉ. राजेश छिब्बर ने सभा को 1100 रु. दान भी दिया। सभा ने उनका धन्यवाद किया।

सभा के प्रधान एवम् उप–प्रधान तथा सदस्यों ने जनरल मोहयाल सभा की वार्षिक सभा एजीएम जो कि दिनांक 9.11.2014 को जीएमएस में संपन्न हुई, में भाग लिया। सभा एजीएम के सफल आयोजन एवं अच्छे प्रबंध के लिए जीएमएस एवं आदरणीय बी.डी. बाली जी को बधाई दी।

सभा के सदस्य अमित दत्ता को पुत्र रतन प्राप्ती पर सभा बधाई देती है एवम् अमित दत्ता ने विनती की है कि दिसंबर माह की मीटिंग उनके निवास पर हो। जिस के लिए प्रधान जी ने सहमति दे दी है अंत 7 दिसंबर की मीटिंग स्थान 1415 मार्डन कालोनी नजदीक गिरी जी के मंदिर के पास होगी।

सुरेन्द्र मेहता छिब्बर, *महासचिव*

सतपाल बाली, *सचिव*

पाँवटा साहिब

सभा की मासिक बैठक 12.10.2014 को श्री सूरज प्रकाश बाली, प्रधान, स्थान सूरज ट्रैक्टरज़, वार्ड नं1, पांवटा साहिब, जिला सिरमौर हि.प्र. की अध्यक्षता में लगभग 26 सदस्यों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण के साथ सभा की कार्यवाही शुरू की गई। सर्वप्रथम पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई गई व सभी ने अपनी सहमति प्रकट की।

सभा द्वारा सभी बाहर से आए उपस्थित मोहयाल परिवारों का हार्दिक स्वागत किया गया।

उपस्थित महिला सदस्यों द्वारा आठवीं किट्टी निकाली गई जोकि कुमारी नेहा बाली के नाम रही।

उपस्थित सदस्यों को बताया गया कि विद्यार्थीयों के लिए फाईनेंसियल एड के जो फार्म प्राप्त हुए उन्हें जीएमएस को उचित कार्यवाही के लिए भेज दिया गया है।

भेंट– श्री अशोक मेहता (सचिव) ने 200 रुपए प्रत्येक मोहयाल सभा पाँवटा साहिब व जीएमएस को अपने 63वें जन्म दिवस के अवसर पर भेंट किए।

श्री अरुण छिब्बर (सचिव) ने 200 रु. प्रत्येक मोहयाल सभा पाँवटा साहिब व जीएमएस को अपने 55वें जन्म दिवस के अवसर पर भेंट किए।

श्री सूरज प्रकाश बाली व श्रीमती बाला बाली जी ने अपने पौत्र **मास्टर बलराम बाली** पुत्र श्रीमती भावना बाली व श्री सुलक्षण बाली के आठवें जन्म दिवस के अवसर पर 200 रुपए प्रत्येक मोहयाल सभा पाँवटा साहिब व जी.एम. एस. को भेंट किए।

अगली मीटिंग श्री नीरज बाली जी के निवास स्थान देवी नगर पाँवटा साहिब में शाम 3:30 बजे दिनांक 9.11.2014 को निश्चित की गई।

शांति पाठ के साथ सभा का समापन किया गया।

सूरज प्रकाश बाली, *प्रधान* *मो. 09318807392*

अशोक मेहता, *सचिव* *मो. 09816271229*

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

पानीपत

सभा की मासिक बैठक 15 नवंबर 2014 को प्रधान श्री कैलाश वैद जी के 8 मरला कालोनी स्थित निवास स्थान पर जीएमएस सदस्य श्री ऋत मोहन जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री वंदना के पश्चात निम्नलिखित सदस्यों के निधन पर दो मिनट का मौन रखा गया।

(क) होशयारपुर मोहयाल सभा के उपप्रधान श्री दिनेश दत्ता जी की धर्मपत्नी श्रीमती प्रवीण दत्ता जी का गत दिवस निधन हो गया था।

(ख) श्रीमती मोहनी छिब्बर धर्मपत्नी स्व. श्री वासुदेव छिब्बर जी का 14 नवंबर 2014 को यमुनानगर में निधन हो गया था। वह श्री प्रवीण वैद जी की धर्मपत्नी श्रीमती बबीता वैद जी की मॉसी थी।

सभा ने सभी मोहयाल भाईयों से आपसी भेदभाव मिटा कर अपनी सर्वोच्च संस्था जीएमएस को मजबूत करने की बात कही। सदस्यों ने एजीएम की पूरी कार्यवाही पर विस्तार से चर्चा की।

श्री बृजमोहन छिब्बर व श्री राजन दत्ता ने मोहयाल सभा यमुनानगर को मोहयाल भवन के निर्माण को लेकर अपनी खुशी जताई, तथा यमुनानगर इलाके में मोहयाल परिवारों की संख्या सर्वाधिक है, अतः उन्हें इसका लाभ मिलेगा। पानीपत सभा से लगभग 10 लोग यमुनानगर के इस कार्यक्रम में शिरकत होने की बात हुई। स्व. श्री प्रदुमण दत्ता जी के सुपुत्र श्री अमित दत्ता जी के घर पुत्र के जन्म होने पर दत्ता परिवार को बधाई दी गई। सदस्यों ने लगातार कई माह से मोहयाल मित्र न आने की बात कही।

अंत में शांति पाठ के साथ सभा सम्पन्न हुई, सभा आयोजन व जलपान के आयोजन के लिए श्रीमती पूनम वैद व श्री कैलाश वैद जी का धन्यवाद किया गया।

नरेन्द्र छिब्बर, *सचिव (मो. 08222023131)*

देहरादून

सभा की मासिक बैठक नवंबर 2014 श्री राजेश मोहन की अध्यक्षता में श्री लाल प्रवेश मेहता (एडवोकेट) के निवास स्थान पर 20 सदस्यों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना के पश्चात श्री यशवन्त दत्ता सचिव की देहरादून से बाहर होने के कारण जीएमएस के प्रतिनिधि सदस्य श्री लालप्रवेश मेहता ने आगामी युवा शिविर के तिथि परिवर्तन के बारे में सूचना देते हुए मोहयाल मेला देहरादून के 7 दिसंबर 2014 की जानकारी दी। युवा शिविर के लिए आवश्यक कार्यक्रम एवं समितियों का गठन सभा द्वारा कर लिया गया है।

वित्तीय समिति, कलैक्शन कमेटी, संगठन समिति, स्मारिका समिति, स्वागत समिति के सदस्यों की घोषणा करते हुए। सभी को सभा के इस अभूतपूर्व आयोजन को सफल बनाने में अपना सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया गया। श्री भूपेन्द्र दत्ता ने बताया कि मोहयाल सभा देहरादून द्वारा युवा शिविर एवम् मोहयाल मेले के लिए जो कार्यक्रम बनाया गया है। उसमें लगभग चार लाख व्यय होने का अनुमान है।

पूर्व प्रधान श्री एन.के. दत्ता द्वारा इस शिविर से मोहयाल युवाओं में होने वाले परिवर्तन पर अपने विचार प्रस्तुत किए गए। इन कार्यक्रमों के सफल कराने हेतु कार्यक्रम के सम्पन्न होने तक प्रति सप्ताह कार्यकारिणी की बैठक आहूत की गयी है। जीएमएस की 9 नवंबर को एजीएम में शामिल होने हेतु दिल्ली जाने का कार्यक्रम है।

पुनः एक बार कार्यक्रम को यादगार बनाने की इच्छा के साथ सभी ने एकमत सभा के बताए कार्यों को समय से पूर्ण करने का विश्वास दिलाया। जलपान पश्चात सभा विसर्जित हुई।

लालप्रवेश मेहता, *एडवोकेट*
प्रतिनिधि सदस्य, जी.एम.एस.

अंबाला छावनी

दिनाँक 2 नवंबर 2014 को शाम 4 बजे मासिक मोहयाल मीटिंग, प्रधान श्री आई.आर. छिब्बर जी की अगुवाई में 15 सदस्यों के साथ सुभाष पार्क में आरम्भ हुई। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण बाद एचएफओ एम.एल. दत्ता जी ने पिछली मीटिंग की कार्यवाही पढ़ कर सुनाई तथा सर्वसम्मति से अनुमोदन हुआ। महासचिव ने सदस्यों को एजीएम के बारे में बताया जो मोहयाल फाऊंडेशन में 9.11.2014 को है। निम्नलिखित सुझाव आए।

(क) विधवा सहायता 750 रु. से बढ़ा कर 1000 रुपए प्रतिमाह की जाए।

(ख) किसी भी आजीवन जीएमएस सदस्य के देहांत पर, उसके परिवार को मोहयाल मित्र 5 वर्ष तक मिलना जारी रहे।

(ग) मोहयाल भाई–बहन जो मोहयाल भवन हरिद्वार को देखने जाते हैं तथा कमरा बुक नहीं होत; उनसे लंगर में चाय या नाश्ते के पैसे न चार्ज किए जाएं।

ये सुझाव नोट कर लिए गए तथा उन्हें जीएमएस में बोलने का अश्वासन दिया।

प्रधान जी ने सदस्यों की अनुपस्थिति पर अप्रसन्नता प्रकट की तथा कहा कि मुख्य सदस्यों की गैरहाजिरी के कारण कोई ठोस कदम या प्रस्ताव पास करना कठिन होता है। कोई धन राशि इकट्ठी करना संभव नहीं और पैसे के बिना कोई संस्था नहीं चलती। इसके अलावा उन्होंने सब भाई–बहनों को स्वच्छता की बातें बताई तथा अमल करने का आग्रह किया। सू.मे. आर.के.सी. दत्ता जी ने सभा की आय–व्यय का ब्यौरा दिया। जीएमएस को प्रधान मंत्री राहत कोष के लिए 500 रु. व गुरदासपुर बाबा ठक्कर की समाधि निर्माण हेतु 2100 रुपए का दान दिया।

दान राशिः श्री आई.आर. छिब्बर, एम.एल. दत्ता, डी.वी. बाली, नरेश वैद प्रत्येक ने लोकल सभा को 200 रु. भेंट किए। अगली मासिक मीटिंग श्री डी.वी. बाली जी ने अपने निवास स्थान पर 7.12.2014 को बुलाई। इसके साथ प्रधान जी ने सदस्यों का धन्यवाद करते हुए सभा की समाप्ति की।

आई.आर. छिब्बर, *प्रधान* ***एचएफओ एम.एल. दत्ता,*** *महासचिव*
फोनः 0171–2660305 *मो. 9896102843*

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

नजफगढ़-नई दिल्ली

मोहयाल सभा नजफगढ़, नई दिल्ली–43 की नवम्बर 2014 मास की बैठक दिनांक 2.11.2014 को श्री योगराज बाली की अध्यक्षता में श्री राजेश शर्मा के कार्यालय गऊशाला रोड, नजफगढ़, नई दिल्ली में प्रार्थना एवं गायत्री मंत्र के उच्चारण से आरम्भ हुई।

बैठक में उपस्थित सदस्यों नेः– अक्टूबर 2014 मास की बैठक की कार्यवाही का अनुमोदन किया। और अक्टूबर 2014 मास के लेखे–जोखे का अनुमोदन किया।

बैठक में सूचित किया गया कि प्रधान कर्नल बी.के.एल. छिब्बर किसी कारणवश बैठक में उपस्थित नहीं हो सकते। अतः बैठक में श्री योगराज बाली जी ने जीएमएस की वार्षिक आम बैठक में भाग लेने के लिए सभी सदस्यों से निवेदन किया और इस बैठक में अनुशासन बनाए रखने और सभी के साथ मेल–मिलाप एवं प्रेमपूर्वक व्यवहार की प्रार्थना की। इसी चर्चा में अधिकतम समय व्यतीत किया गया।

चर्चा के लिए कोई खास मुद्दा न होने के कारण सदस्यों के आपसी मेल–मिलाप के पश्चात बैठक की समाप्ति की घोषणा की गई। दिसंबर 2014 मास की बैठक श्री राजेश शर्मा के कार्यालय गऊशाला रोड, नजफगढ़, नई दिल्ली में दिनांक 7.12.2014 को प्रातः 10:30 बजे होगी। सभी सदस्यों से उपस्थित होने का निवेदन है।

ले.कर्नल बी.के.एल. छिब्बर (से.नि.), *प्रधान*
मोः 9210869406

उत्तम नगर-नई दिल्ली

आज दिनांक 2.11.2014 को उत्तम नगर मोहयाल सभा की मीटिंग श्री आर.के. मोहन जी के निवास स्थान रामदत्त इंक्लेव,सी–67, उत्तम नगर में श्री एस.पी. वैद जी की अध्यक्षता में आरम्भ हुई, मोहयाल प्रार्थना एवम् गायत्री मंत्र के पश्चात आर.के. मोहन जी ने बताया कि उत्तम नगर मोहयाल सभा का एक ही उद्देश्य है अपने मोहयाल समाज की भलाई का विचार करना और जी.एम.एस. की टीम और आदरणीय रायज़ादा बी.डी. बाली जी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलते रहना और अपने मोहयाल समाज को ऊंचाइयों तक ले जाना।

उत्तम नगर मोहयाल सभा की महिला सदस्यों की एक टीम बनाई गई, जिसमें रमा दत्ता, सुमैधा वैद, डिम्पी दत्ता और तमन्ना दत्ता को एक कार्य सौंपा गया कि हमारी विधवा पेंशन पाने वाली बहनों के घर जाकर उनकी अन्य आवश्यकताओं की जानकारी लें और सभा और जीएमएस द्वारा मुमकिन मद्द हो सकेगी वो करने की कोशिश करेंगे, फाईनेंस सेक्रेटरी श्रीमती रमा दत्ता जी के पति श्री चमनलाल दत्ता जी जो कि बीमार चल रहे हैं, उनकी शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उत्तम नगर सभा के युवा कार्यकर्त्ता विनीत बक्शी, किरन गार्डन हनुमान मंदिर के सह सचिव चुने गए तथा किरण गार्डन रेज़ीडेंस वेलफेयर एसोसिएसन के प्रचार सचिव भी चुने गए, उन्होंने इस खुशी में सभा को दो वैनर बनवाकर भेंट किए और उनके पिताजी श्री विनोद बक्शी ने सभा को एक सौ एक रुपए भेंट किए। उपस्थि सभा सदस्यों ने श्री विनीत बक्शी जी को उन्नति की शुभकामनाएं दी, और सभा के सदस्यों द्वारा बताने पर सभा के अध्यक्ष जी ने एक प्रस्ताव पारित किया कि उत्तम नगर मोहयाल सभा द्वारा जो भी सभा का सदस्य कार्यकारिणी कमेटी से किसी और सभा के निमंत्रण पर जाएगा वो सभा द्वारा छोटी सी धन राशि उस सभा को देकर आएगा।

अंत में हल्का जलपान के उपरान्त आर.के. मोहन जी और उनके परिवार का धन्यवाद किया गया और सभा समाप्ति की घोषणा की गई।

एस.पी. वैद, *अध्यक्ष (मो. 9899511807)*

स्त्री मोहयाल सभा यमुनानगर

सभा की मासिक बैठक 8.10.2014 को श्रीमती सूरज वैद की तरफ से उनके निवास स्थान पर हुई। सभा में सभी बहनों ने भाग लिया। सभा की अध्यक्षता श्रीमती कमला दत्ता जी ने की, सभा में श्रीमती रेणु छिब्बर के पति स्वर्गीय श्री राकेश छिब्बर के देहांत पर दो मिनट का मौन रखा गया।

सभा में स्थापना दिवस मनाने पर विचार किया गया। स्त्री सभा यमुनानगर का 26 अक्टूबर को स्थापना दिवस मोहयाल आश्रम में मनाया जायेगा।

मोहयाल मित्र में जितने भी लेख छपते हैं वो सराहनीय और दिल को छूने वाले होते हैं। इसका सारा श्रेय आदरणीय बाली साहिब और जीएमएस के सभी कार्यकर्त्ताओं को जाता है। स्त्री सभा यमुनानगर की सभी बहनों की तरफ से आदरणीय बी.डी. बाली जी और उन की टीम को दीपावली की शुभकामनाएँ।

श्रीमती सूरज वैद, श्रीमती बाला मेहता जी, श्रीमती प्रेम दत्ता, श्रीमती विजयलक्ष्मी और श्रीमती सुरक्षा मेहता ने अपने विचार रखें।

शांति पाठ के साथ सभा समाप्त हुई।

शोक समाचारः स्वर्गीय श्री राकेश छिब्बर पुत्र स्वर्गीय श्री हरभगवान छिब्बर (पिता) और स्व. श्रीमती सत्या छिब्बर (माता) का देहांत हो गया है। श्री राकेश छिब्बर जी एक बहुत ही अच्छे इन्सान थे, उनकी कमी हमेशा बनी रहेगी, उन्होंने मोहयाल बिरादरी के लिए काफी कार्य किया है। वो अपने पीछे पत्नी श्रीमती रेणू छिब्बर, बेटा, दो बेटियां और पूरा परिवार छोड़ गए हैं। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे, और पत्नी बच्चों को दुःख सहने की शक्ति दे।

श्रीमती परवीन बाली, *सचिव*
फोनः 01732–226199

क्रान्तिकारी भाई परमानंद

महान क्रान्तिकारी देश भक्त देवतास्वरूप भाई परमानंद जी की 4 नवम्बर 2014 को जन्मतिथि और 8 दिसंबर को पुण्यतिथि आती है। कितने देशवासियों का ध्यान तनिक भी इस ओर जाता होगा। भाई जी उस परिवार से हैं जिनमें से भाई मतिदास व भाई सतिदास जैसे आत्मबलिदानी पुरुष हुए, जिनको गुरू तेगबहादुर के साथ आरे से काटा गया, भाई सतिदास और भाई मतिदास तेगबहादुर के सबसे नजदीकी लोगों में एक थे। देश और समाज के लिए जीने और मरने वाले एक नहीं अनेक हुए। शताब्दियों के संघर्ष और बलिदानों के बाद अपने देश को स्वतंत्रता मिली। निश्चय ही इस स्वतंत्रता में

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

अनेक महापुरूषों ने अपना योगदान किया। इनमें से कुछ पुरूष्कृत हुए तो कुछ ने अपनी सेवा और बलिदान को अपना धर्म समझा। कुछ लोगों के नाम तो बहुत बलिदानी हुई और उनमें बहुत से अनाम ही रह गए, जो अनाम रह गए, उनमें शायद भाई परमानन्द जी भी हैं।

आज हम सब के लिए यह विचार करने का विषय है कि स्वतंत्रता के बाद से एक विशेष प्रकार के व्यक्तियों को स्मरण करने उनका गुणगान करने और उनकी जयंती व पुण्य–तिथि मनाने की परम्परा सी चल पड़ी। कहना न होगा कि यह सब सोची समझी निति के तहत किया गया ताकि देश में कुछ परिवारों और किन्हीं विशेष व्यक्तियों को ही जाना जा सके। ऐसे बलिदानियों को भी हर वर्ष स्मरण किया जाना चाहिए, जिनका योगदान उनसे तनिक भी कम नहीं है, जिनका स्मरण करना जरूरी ही नहीं आवश्यक भी है ताकि भविष्य में आने वाली पीढी याद करती रहे।

देश की सभी मोहयाल सभाओं और मोहयाल भाईयों को महान क्रान्तिकारी भाई परमानंद की हर वर्ष पुण्यतिथि का आयोजन करना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ी इनका स्मरण करती रहे।

–सत्येन्द्र छिब्बर

17 653, चौपासनी हाऊसिंग बोर्ड, जोधपुर (राज.)

यमुनानगर में बनेगा नया मोहयाल भवन

दो करोड़ रुपए की लागत से तैयार होने वाले नए मोहयाल भवन यमुनानगर, का भूमि पूजन मोहयाल सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली जी ने 16 नवम्बर को किया। साथ ही मोहयाल मिलन समारोह का आयोजन भी किया गया। समारोह में यमुनानगर जिला के अलावा पानीपत, फरीदाबाद, लुधियाना, जालंधर, जम्मू और दिल्ली सहित अनेक जिलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

मिडिया से बात करते हुए मोहयाल रतन रायज़ादा बी.डी. बाली जी ने बताया कि सभा का गठन 1891 को लाहौर में हुआ था। तब से लेकर आज तक यह संस्था बिरादरी के विकास हेतु कार्य कर रही है। सभा द्वारा जहाँ विधवाओं का पेंशन दी जाती है वहीं प्रतिभाशाली बच्चों को हर वर्ष आयोजित राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन में सम्मानित किया जाता है। उन्होंने कहा कि इस बिरादरी में जहाँ शुरू से ही देश भक्ति का जज्बा कूट–कूट कर भरा हुआ है। वहीं समाज सेवा में भी अग्रणीय हैं। उन्होंने दावे के साथ कहा कि इस बिरादरी में दहेज प्रथा का बोलबाला नहीं है। उन्होंने बताया कि उक्त भवन बनने के बाद जहाँ इसका लाभ बिरादरी के लोग उठा पाएंगें वहीं अन्य बिरादरी के लोगों को भी इसका लाभ मिलेगा।

यमुनानगर के विधायक घनश्याम दास ने कहा कि जो भी बिरादरी संगठित होकर काम करती है निश्चित तौर पर वह आगे बढ़ती है। उन्होंने उपस्थित लोगों से आह्वान किया कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा सफाई अभियान को लेकर चलाई गई मुहिम का हिस्सा बने। इसके लिए उन्हें झाडू लगाने की आवश्यकता नहीं है। सभी लोग पोलीथिन का इस्तेमाल छोड़ देंगे तो निश्चित तौर पर वह उक्त अभियान का हिस्सा अपने आप बन जाएंगें। मोहयाल सभा के पूर्व प्रधान श्री अश्विनी दत्ता, मौजूदा प्रधान श्री विपिन मेहता एवं महासचिव विनोद मेहता ने देश के अलग–अलग शहरों से आए मोहयाल बिरादरी के लोगों का स्वागत किया।

समारोह में मोहयाल सभा यमुनानगर द्वारा पाँच लाख रुपए, स्त्री मोहयाल सभा 51 हजार रुपए, फरीदाबाद सभा द्वारा 21 हजार रुपए, रमेश दत्ता द्वारा एक लाख रुपए, डॉ. दिनेश मेहता, चंद्र मेहता व संजय मेहता द्वारा 11–11 हजार रुपए की राशि उक्त भवन के बनने हेतु दी गई। बच्चों द्वारा सांस्कृतिक व देश भक्ति से ओत–प्रोत गीत भी प्रस्तुत किए गए। समारोह में सर्वश्री ओ.पी. मोहन, बी.एल. छिब्बर, सुशील कुमार छिब्बर, डॉ. रतन दत्ता, श्रीमती कृष्णलता छिब्बर, श्रीमती सुनीता मेहता, डी.वी. मोहन, विपिन मोहन, विनोद मेहता, अश्विनी दत्ता, ऋत मोहन, सुरेंद्र मेहता, सतपाल बाली, सी.के. दत्ता और नरेन्द्र छिब्बर मुख्य रूप से उपस्थित थे।

–डॉ. सुरेंद्र मेहता छिब्बर, *महासचिव*

मो.सभा जगाधरी वर्कशाप (मो. 09355310880)

बिरादरी के वैभवशाली सपूत-मेजर देवेन दत्ता

मेजर देवने दत्ता ने कश्मीर में 3500 बाढ़ प्रभावित लोगों को बचाया। मेजर देवेन दत्ता ने एक नवजात शिशु एवं उसकी

माता को बाढ़ से सुरक्षित निकाल कर अस्पताल में भर्ती करवाया। उनके इस गौरवपूर्ण कार्यों के लिए मेजर देवेन दत्ता के परिजनों को राजपूर रोड स्थित देहरादून में एक होटल में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि उत्तराखण्ड सब एरिया कमांडर ने सम्मानित किया। इस समारोह में स्थानीय विधायक श्री गणेश जोशी एवं पार्षद श्रीमती नन्दिनी शर्मा, मोहयाल रत्न श्री एन.के. दत्ता भी उपस्थित थे। उपरोक्त समाचार देहरादून के स्थानीय समाचार पत्रों में सुर्खियों में प्रकाशित किया गया। मोहयाल बिरादरी मेजर देवेन दत्ता एवं उनके परिवार पर गर्व है। मेजर देवेन दत्ता के पिता श्री डी.एन. दत्ता, प्रधान मो.सभा प्रेमनगर ने इस अवसर पर लोकल सभा और जीएमएस को 251–251 रुपए भेंट स्वरूव प्रदान किए।

राजेश बाली, *सचिव (मो. 9758135583)*

मोहयाल मित्र में रचनाएँ भेजने के पश्चात् प्रकाशन के लिए दो माह तक प्रतिक्षा करें। इसके पश्चात् ही कार्यालय से संपर्क करें। कृपया समस्त रचनाएँ-रिपोर्ट साफ-साफ लिखें जिन्हें पढ़ा जा सके। पोस्ट कार्ड या छोटे-छोटे कागज के टुकड़ों पर लिखकर रचनाएँ न भेजें। ई-मेल से भेजी रचनाएँ और रिपोर्ट साफ-साफ लिख कर भेजें। नहीं तो छप नहीं पाएगी।

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

शोक प्रस्ताव

मोहयाल सभा (रजि.) होशियारपुर की एक बैठक प्रधान श्री श्यामसुन्दर दत्ता जी की अध्यक्षता में हुई। इसमें **श्रीमती प्रवीन दत्ता** पत्नी श्री दिनेश दत्ता के अकस्मात निधन पर शोक व्यक्त किया गया, परमपिता परमात्मा से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई, तथा परिवार को इस क्षति को सहन करने का बल दे। श्रीमती प्रवीण दत्ता के निधन से जहाँ परिवार को हानि हुई, वहाँ मोहयाल सभा समाज भी एक योग्य नेतृत्व से वंचित हुआ है।

सभा में गायत्री मंत्र के पाठ के बाद दिवंगत आत्मा की शांति के लिए मौन धारण किया गया। दत्ता परिवार की तरफ से जीएमएस तथा मोहयाल सभा होशियारपुर को 500–500 रुपए दान दिए गए। इस अवसर पर मनोज दत्ता, विजयंत बाली, पी.पी. मोहन, ओंकार बाली, पवन मेहता, अरविन्द मेहता, जगदीश लाल मेहता, आई.एम. बाली, अश्विनी दत्ता और रविन्द्र दत्ता शामिल हुए। *–मनोज दत्ता*

स्वर्गीय श्री नन्दकिशोर मेहता जी की छठी पुण्य-तिथि पर हम सब की तरफ से श्रद्धासुमन!

आज आठ दिसंबर पूरे छः वर्ष हो गए हैं हमारे 'बाऊ जी' को हमसे बिछड़े हुए।

कितना और किस रूप में पुकारे आपको एक शरीर जो परमात्मा की मर्जी से बलि चढ़ गया। एक खुशबू जो सबको स्नेह लुटाती रही या एक ख्वाहिश जो सबको सुखी देखना चाहती थी।

जीवन के अनेक उतार–चढ़ाव व संघर्षों को उन्होंने सहजता से स्वीकारा था।

ऐसा ही कुछ लिखा था–

जिंदगी भी क्या चीज है, इसकी कोई मंजिल नहीं,
खुशियों की ये बरखा भी है और दर्द का झोंका भी,
सुख का कभी यह रूप है, दुःख की कभी यह धूप है,
रह जाएगा सब कुछ यहीं, यही इसकी पहचान है।

हमारे जीवन की तमाम उपलब्धियाँ व खशियाँ जो आप से हमें मिली सब आपको ही समर्पित है।

सदा आप की यादों में–

आपकी बेटी ***सुनीता दत्ता***

शोक सभा

आगरा मोहयाल सभा की एक मीटिंग में स्वर्गीय श्री रमेश दत्ता जी पुत्र स्व. श्री डब्ल्यू एल दत्ता जी के निधन पर जो कि 1.11.2014 को आगरा में हुआ था। एक शोक सभा की गई, जिसमें उनके द्वारा सभा के लिए अपना योगदान व अन्य गतिविधियों में सहयोग प्रदान करने की चर्चा की गई। उनका जन्म 6.10.1953 को व निधन 01.11.2014 को आगरा में ही हुआ। उन्होंने अपनी सारी सेवाएं एम.ई.एस. आगरा में ही पूरी की। सभा में उनकी आत्मा को शांति के लिए प्रभू से प्रार्थना की गई, तथा उनके परिवार वालों को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने हेतू प्रभू से प्रार्थना की।

ओम् शांति, शांति, शांति!

–एस.पी. दत्ता, *सचिव*
मोहयाल सभा आगरा (मो. 09897455755)

साडी सभा मोहयांला दी

ऐह साडी सभा मोहयांला दी,
सोच उच्ची नेक ख्यालां दी।

साडा ऐह भाईचारा है,
जग तों बखरा ते न्यारा है,
मेहनत है साडी सालां दी।

ऐह साडी सभा मोहयालां दी,
सोच उच्ची नेक ख्यालां दी।

साडेवीर सूरमे फौजा विच,
लौ भीमवाल ने मौजा विच,
ऐह खेड नही कोई बालां दी।

ऐह साडी सभा मोहयालां दी,
सोच उच्ची नेक ख्यालां दी।

दत्त, छिब्बर, मोहल बाली ने,
वैद कौम साडी दे वाली ने
सानू लोड ना कोई मिसालां दी।

ऐह साडी सभा मोहयाल दी,
सोच उच्ची नेक ख्यालां दी।

सत् ऋषियों दी संतान असी,
जिन्हा ते करदे माण असी,
जगदी रहे लौ मशालां दी।

ऐह साडी सभा मोहयाल दी,
सोच उच्ची नेक ख्यालां दी।

–संजीव दत्त शर्मा, सोनीपत

Donate Rs.11000 towards adopt a child trust

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

प्रेम का संदेश

सभी मोहयाल भाइयो व बहनों को सादर प्रणाम व जय मोहयाल!

कुछ इसी प्रकार के विचार में जनरल मोहयाल सभा की वार्षिक आम सभा (ए.जी.एम.) के मंच से रखना चाहता था परन्तु अब मोहयाल मित्र के जरिऐ आप तक पहुँचा रहा हूँ। कुछ शब्दों को बाँध कर किसी की आलोचना, किसी की प्रशंसा ज्यादातर इस प्रकार की वार्षिक आम सभाओं में दिए जाने वाले भाषणों से हुआ करती है चूंकि हम सभी में कुछ गुण–अवगुण समान है, परन्तु महत्वपूर्ण बात तब होती है जब हम प्रगतिशील संस्था को और विकसित बनाने व इसके विस्तार संबंधि योजनाओं पर सकारात्मक चर्चा करें यह हमारी प्रभावशाली अभिव्यक्ति होगी।

मैं अपने व्याख्यान के द्वारा सिर्फ इस स्थिति को व्यक्त करना चाहता हूँ कि हम गौरवशाली इतिहास के धनी हैं, वैभवशाली वर्तमान के साक्षी हैं और उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं और यह तभी संभव होगा जब हम एक दूसरे को क्षमा करें, एक दूसरे को प्रोत्साहित करें और जहाँ तक संभव हो, मैं के स्थान पर हम का प्रयोग करें। एक और बात सबसे महत्वपूर्ण, किसी भी संस्था की प्रतिष्ठा और पहचान उसकी कार्यशैली व उसकी उदारवादी नीतियों से स्थापित होती है। साथ ही संस्था में लोकतांत्रिक तरीकों से किया जाने वाले कार्य सदा ही फलीभूत होते हैं।

इसलिए स्पष्ट शब्दों में कहता हूँ आपके विचार कार्यकारिणी के सदस्यों से भिन्न हो सकते हैं, आपका मतभेद हो सकता है परन्तु मन–भेद नहीं होना चाहिए। हमें यह याद रखना चाहिए कि बंद घड़ी भी दिन में दो बार सही समय देती है। वैसे भी बिना खोट के कोई भी आभूषण सुन्दर व मजबूत नहीं बन सकता। अगर किसी भी सदस्य का कोई प्रश्न है तो आप अपनी बात दृढ़ता से रखें, परन्तु साथ ही साक्ष्य एवं मर्यादा को सदा ही प्राथमिकता दें।

हम भी यही कार्य करें जहाँ तक हो सके जीएमएस की योजनाओं का लाभ दूर गाँवों तक फैले उस आखिरी जरूरतमंद मोहयाल तक पहुँचे, यही सच्ची मानव सेवा होगी, यही सच्ची मोहयालियत है, मेरा अनुरोध है कोई भी विचार या शंका है तो हमें आमने सामने बैठकर अपने बुजुर्गों से बात करनी चाहिए। आप सक्षम है, क्षमा ही आपको शोभा देती है, आप युवाओं की गलतियों को क्षमा करें और मोहयाल युवा शक्ति का उपयोग बिरादरी के कल्याण में करें।

समय के अभाव के कारण जीएमएस की वार्षिक सभा के मंच से मैं अपनी ओर से व देशभर में फैले मोहयालों की ओर से जीएमएस अध्यक्ष मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली व उनकी कार्यकारिणी में पूर्ण आस्था व्यक्त करता हूँ व उनके अदम्य साहस व कार्य करने की परिकल्पना को सादर प्रणाम करता हूँ। परमात्मा हम सभी को सद्बुद्धि दे, हम सभी सुखी हों।

जय मोहयाल! ***–संदीप बाली*** *'गुरुभाई (मो.: 9810069899)*

अमृतवाणी

1. बाधाएँ कब बाँध सकी, आगे बढ़ने वाले को?
   विपदाएँ कब रोक सकी है, पथ पर चलने वाले को?
2. किसी मनुष्य की पहचान उसकी बाहरी सुन्दरता से नहीं होती
   बल्कि उसके सुन्दर आचरण या सद्गुणों से होती है।
3. अहम् की अकड़ ज्यादा चल नहीं सकती,
   मौत की घड़ी कभी टल नहीं सकती,
   लूटकर दौलत भले ही जमा कर लीजिए,
   पाप की कमाई कभी फल नहीं सकती।।
4. यदि आपका मन अतीत के बंधनों में जकड़ा है, या बीती हुई बातों में उलझा है, तो आप वर्तमान में आनन्द का अनुभव नहीं कर सकते हैं।
5. मानव के सबसे बड़े, दुश्मन हठ ओ क्रोध।
   संभल सका वो ही यहाँ, हुआ जिसे ये बोध।।

श्रीमती प्रीती बख्शी, *सहारनपुर*

सुनहरे अक्षर

- अपने मतलब के अलावा कौन किसी को याद करता है ऐ दोस्तों, पेड़ जब सूख जाता है तो परीन्दें भी बसेरा नहीं करते।
- जिन्दगी को बदलने में वक्त नहीं लगता पर, कभी–कभी वक्त को बदलने में जिन्दगी लग जाती है।
- इंसान को कभी घमण्ड नहीं करना चाहिए, क्योंकि शतरंज की बाजी खत्म होने के बाद "राजा" और मोहरें एक डिब्बे में रख दिए जाते हैं।
- जुबान एक ऐसी चीज है, जिसकी वजह से इंसान या तो दिल में उतर जाता है या फिर दिल से उतर जाता है।

–बख्शी विनय दत्ता, *सहारनपुर*

हमारे सन्देश

कभी इंसान गलत या सही नहीं होता,
वक्त उसे गलत या सही बनाता है!
कोई देखता है कीचड़ में कमल,
और किसी को चाँद में भी दाग नजर आता है।

बेहतरीन इंसान अपनी मीठी जुबान से जाना जाता है...
वरना अच्छी बातें तो दीवारों पर भी लिखी होती है।

जिंदगी में दो लोगों का बहुत ख्याल रखना,
फस्ट वो जिसने तुम्हारी जीत के लिए बहुत कुछ हारा हो (पिता) वो, जिसको तुमने हर दुःख में पुकारा हो (माँ)

माफी माँगने से ये कभी साबित नहीं होता कि हम गलत और वो सही है माफी का असली मतलब है कि हमारे रिश्ते निभाने की काबलियत उनसे ज्यादा है।

–दिव्या छिब्बर, *"चीनू" दिल्ली–110051*

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor